जागरूकता बैठक सारकोमा को दूर करने के लिए प्रारंभिक पहचान, विशेषज्ञ देखभाल और स्थायी मानव इच्छा के महत्व को रेखांकित करती है

PIB Mumbai

सारकोमा जागरूकता माह की मान्यता में, टाटा मेमोरियल सेंटर की एक प्रमुख इकाई, एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) ने २६ जुलाई, २०२५ (शनिवार) को एक प्रभावशाली सारकोमा जागरूकता बैठक की मेजबानी की। सेंट जूड इंडिया चाइल्ड केयर सेंटर्स के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का शीर्षक 'लाइफ - लिंब - फंक्शन' है, जो सारकोमा देखभाल में किए गए कदमों और कैंसर के इस दुर्लभ रूप से प्रभावित लोगों की अटूट शक्ति की एक शक्तिशाली याद दिलाता है। पिछले कुछ वर्षों में ACTREC ने सरकोमा रोगियों के लिए व्यापक हड्डी और नरम ऊतक सेवा शुरू की है।

रोगियों, उत्तरजीवियों और सहायता समूहों को सूचित करने, प्रेरित करने और एकजुट करने के लिए डिज़ाइन किया गया, इस बैठक में विशेष सारकोमा उपचार, दीर्घकालिक उत्तरजीविता और रोगियों और देखभाल करने वालों दोनों के सामने आने वाली भावनात्मक यात्राओं पर गहन चर्चा हुई। सबसे अधिक चलने वाले क्षणों में सरकोमा बचे लोगों की व्यक्तिगत गवाही थी, जिन्होंने लचीलापन, वसूली और उपलब्धि के अपने अनुभव साझा किए। इन कहानियों ने न केवल मानव आत्मा की ताकत को उजागर किया, बल्कि वर्तमान में उपचार को नेविगेट करने वाले अन्य लोगों के लिए आशा की किरण भी पेश की।

एक प्रतीकात्मक 'वॉक फॉर लाइफ' दिन का एक आकर्षण था, जो ताकत और एकजुटता के एकीकृत प्रदर्शन में बचे लोगों, चिकित्सा पेशेवरों और समर्थकों को एक साथ लाता था। यह उनकी लड़ाई के बीच में उन लोगों के लिए समुदाय और प्रोत्साहन की एक मार्मिक अभिव्यक्ति थी।

डॉ. नवीन खत्री, उप निदेशक, सीआरसी, एसीटीआरईसी ने स्वागत भाषण दिया। सारकोमा विशेषज्ञ डॉ. आशीष गुलिया (निदेशक, एचबीसीएचआरसी, न्यू चंडीगढ़) और डॉ. मनीष प्रुथी (प्रोफेसर, आर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी, एसीटीआरईसी) ने सारकोमा उपचार और देखभाल के प्रमुख पहलुओं पर प्रस्तुतियां दीं। ऑन्कोलॉजिस्ट, देखभाल करने वालों, दाताओं और बचे लोगों की विशेषता वाली एक पैनल चर्चा ने उपचार बाधाओं पर काबू पाने और सरकोमा के बाद जीवन के प्रबंधन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की।

टाटा मेमोरियल सेंटर में ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी यूनिट लंबे समय से भारत में सारकोमा जागरूकता के लिए एक चैंपियन रही है। अंग-निस्तारण उपचार को आगे बढ़ाने में यह काम रोगी के परिणामों और जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार हुआ है, जिससे यह दुर्लभ कैंसर कैसे संपर्क किया जाता है। जागरूकता कार्यक्रम के सह-आयोजक सेंट जूड इंडिया चाइल्ड केयर सेंटर्स द्वारा उपचार के माध्यम से परिवारों को सहायता प्रदान करने में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया गया।

सिर्फ एक चिकित्सा सम्मेलन से अधिक, सारकोमा जागरूकता मीट एक हार्दिक सभा थी जो शिक्षित, सशक्त और जुड़ी हुई थी। इसने शुरुआती पहचान, विशेषज्ञ देखभाल और स्थायी मानव इच्छाशक्ति को दूर करने के महत्व को रेखांकित किया। जैसा कि ACTREC और TMC सारकोमा देखभाल में प्रभारी का नेतृत्व करना जारी रखते हैं, संदेश स्पष्ट थाः समर्थन और जागरूकता के साथ, किसी को भी अकेले सरकोमा का सामना नहीं करना पड़ता है।

Published in: Swarnim Mumbai (Monthly Hindi Magazine)
Issue: August 2025 | Date: 5th August 2025 | Page No: 22